संयुक्त राज्य अमरीका की सामाजिक व्यवस्था सामान्य जानकारी

- वर्ष 2000 ई. में हुई जनगणना के अनुसार अमेरिका की जनसंख्या 28 करोड़ 13 लाख तथा अनुमान है कि 2006 ई के मध्य में यह जनसंख्या 28 करोड़ 26 लाख से कुछ अधिक हो गई है। प्राकृतिक साधनों से परिपूर्ण इस विशाल क्षेत्र और जनसंख्या ने अमरीका को एक महाशक्ति का रूप प्रदान करने में बहुत अधिक योगदान किया है। बुनियादी तौर अमरीका बेशक गोरे लोगों का देश है लेकिन यहां 2 करोड़ 60 लाख काले वर्ण के व्यक्ति भी हैं। अमरीका यद्यपि इसाइयों का देश है लेकिन यहां पर इजरायल से तीन गुना यहूदी हैं। इसके साथ ही एशिया और निकट पूर्व के बौद्ध, मुसलमान ~~लोग~~ लोगों को शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक साधना मे दृढ़ आस्था है। वे मानते हैं कि प्रजातन्त्रात्मक मूल्यों की स्थापना के लिए क्रांति की जरूरत नहीं है, वे बहुमत के शासन का समर्थन करते हैं। आज भी अमेरिकी राजनीतिक व्यवस्था का मूल आधार वही है जो संविधान निर्माण के समय था। ~~अमे~~ अमरीका पूंजीवादी ~~देश है~~ व्यवस्था वाला देश है। तथा साम्यवाद का विरोधी है। साम्यवाद के विरुद्ध अमरीका ने लम्बा संघर्ष किया है। और अन्तर्राष्ट्रीय समर्थन प्राप्त करने का प्रयत्न किया। अमरीका में सर्वोच्च शक्ति जनता में निहित है। संविधान द्वारा शक्तियों का अधिकाधिक विकेन्द्रीकरण किया गया है। संविधान की सर्वोच्चता, शक्ति पृथक्करण तथा न्यायपालिका की स्वतन्त्रता अमरीकी राजनीतिक व्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ हैं।

1. अहस्तक्षेप के सिद्धान्त में विश्वास —: संयुक्त राज्य अमरीका एक पूँजीवादी देश है तथा अहस्तक्षेप की नीति का समर्थक है। अमरीकी संविधान

निर्माता व्यक्ति के आर्थिक जीवन में किसी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करना चाहते थे। वे इस बात में विश्वास रखते हैं कि व्यक्ति एक विवेकशील प्राणी है तथा अपने हित - अहित को अच्छी तरह से समझता है।

2 संयुक्त राज्य अमेरिका की आर्थिक व्यवस्था → संयुक्त राज्य अमरीका की गणना विश्व के सम्पन्न एवं समृद्ध देशों में होती है, वह प्राकृतिक संसाधनों की दृष्टि से एक सम्पन्न देश है। यहाँ यूरेनियम, तेल लोहा, कोयला जैसे खनिज पदार्थों के विशाल भण्डार है। अमरीका औद्योगिक विकास की दृष्टि से भी एक अग्रणी देश है। अमरीका की आर्थिक व्यवस्था की निम्नलिखित प्रमुख विशेषताएँ है।

3. शिक्षा का व्यापक प्रसार → अमरीकी समाज एक शिक्षित समाज है। यहाँ के अधिकांश लोग पढ़े लिखे है। सरकार शिक्षा के व्यापक प्रसार के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहती है। यहाँ उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा निः शुल्क एवं अनिवार्य है।

4. श्रमिक संगठनों की भूमिका → अमेरिका में जहाँ एक ओर पूंजीवादी व्यवस्था है। वहीं दूसरी ओर शक्तिशाली श्रमिक संगठन है। इन संगठनों ने अपनी शक्ति से श्रमिकों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति में सुधार कर दिया है। अमरीकी श्रमिकों की स्थिति विश्व के अन्य देशों में सबसे अच्छी है।

5. जातीय समस्या → संयुक्त राज्य अमरीका में बहुत पहले से अफ्रीकी लोगों का गुलामी के रूप में लाना शुरू कर दिया था। इन अश्वेत गुलामों से निम्न स्तर के कार्य करवाए जाते थे तथा उनके साथ घृणित एवं भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता था।

6. राजनीतिक व्यवस्था के प्रति दृष्टिकोण → संयुक्त राज्य अमरीका एक प्रजातन्त्रात्मक देश है। स्वतन्त्रता, समानता एवं भातृत्व के प्रजातन्त्रात्मक मूल्यों के आदर्श को प्राप्त करने के लिए वह निरन्तर प्रयत्नशील है।